परिशिष्ट 1

प्रयोग में लाए जाने वाले कूपन तथा प्रतिफलों सहित ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण में आस्ति तथा देयताओं की विभिन्न मदों के समूहन पर दिशानिर्देश

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
1.	2.	3.	4.
	देयताएं		
1.	पूंजी-ईक्विटी शेयर	गैर-संवेदनशील	• टीजीए के लिए गैर-संवेदनशील • डीजीए के लिए वर्गीकृत नहीं करना है ।
2.	आरक्षित निधि तथा अधिशेष	गैर-संवेदनशील	• टीजीए के लिए गैर-संवेदनशील • डीजीए के लिए वर्गीकृत नहीं करना है ।
3.	(i) टियर I स्तर के लिए पात्र नवोन्मेषी बेमीयादी ऋण लिखत (आइपीडीआइ) (ii) अपर टियर II पूंजी तथा टियर II बांडों की पात्रता वाले ऋण पूंजी लिखत (iii) टियर I तथा टियर II पूंजी के लिए पात्र अधिमान्य शेयर		• संवेदनशील • अवशिष्ट परिपक्वता/पुनर्मूल्य-निर्धारण के अनुसार वर्गीकरण • कूपन दर : संविदा दर • प्रतिफल : रेट किए गए बांडों के लिए उचित मूल्य-लागत अंतर सहित एफआइएमएमडीए द्वारा प्रकाशित तदनुरूपी अवधि के लिए भारत सरकार का प्रतिफल, जिसमें रेट किए गए बांडों के लिए समुचित (लिखत की रेटिंग के अनुसार) मूल्यवृद्धि की जाएगी ।
4 (i)	(i) चालू जमाराशियां	गैर-संवेदनशील	• संवेदनशील • जो बैंक चालू जमाराशियों की प्रवृत्ति के स्वरूप का अनुमान लगाने में अधिक सक्षम हैं उन्हें प्रवृत्ति अध्ययन के अनुसार प्रवृत्ति परिपक्वता के आधार पर उनका उचित समूहों में वर्गीकरण करना चाहिए । ऐसे मामलों में मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना करने के लिए कूपन रेट शून्य होने के कारण बैंकों को अपनी संबंधित मीयादी जमाराशि दरों को डिस्काउंट रेट के रूप में प्रयोग में लाना चाहिए । तथापि जिन बैंकों ने उपर्युक्त

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			प्रवृत्ति का अध्ययन नहीं किया है वे चालू जमाराशियों के 15 प्रतिशत अंश को अस्थिर जमाराशि के रूप में वर्गीकृत कर सकते हैं और उसे पहले समय-समूह (बकेट) (अर्थात् 1-28 दिन) में रख सकते हैं और 85 प्रतिशत अंश को 1-3 वर्ष के समय- समूह में रख सकते हैं । • कूपन दर - शून्य • प्रतिफल : (i) चूंकि 1-28 दिन के समय-समूह का मध्य-बिंदु 14 दिन है, इसलिए प्रत्येक बैंक अपनी 14 दिन की मीयादी जमाराशि दर को अस्थिर हिस्से के मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना के लिए प्रतिफल के रूप में ले सकता है । (ii) चूंकि 1-3 वर्ष के समय-समूह का मध्य-बिंदु 2 वर्ष है, इसलिए प्रत्येक बैंक अपनी 2 वर्ष की मीयादी जमाराशि की दर को स्थिर हिस्से के मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना के लिए डिस्काउंट दर के रूप में ले सकता है ।
4 (ii)	**बचत बैंक जमाराशियां**	ब्याज अदा करने वाले (स्थिर) हिस्से की हद तक संवेदनशील । इसे 3-6 महीने से अधिक वाले समूह में शामिल किया जाए । ब्याज अदा न करने वाले हिस्से को गैर-संवेदनशील समूह में दर्शाया जाए । जब बैंक बाजार के आँकड़ों में परिवर्तनों के प्रति चालू/ बचत बैंक जमाराशियों की भावी प्रवृत्ति/संवेदनशीलता का अनुमान लगा सकते हैं, वहां इस प्रकार से अनुमानित संवेदनशीलता को उचित समय समूहों के अंतर्गत दर्शाया जा सकता है ।	• संवेदनशील • बैंक बाजार के आँकड़ों में परिवर्तनों के प्रति बचत बैंक जमाराशियों की संवेदनशीलता तथा उनकी भावी प्रवृत्ति का अनुमान लगा सकते हैं और इस प्रकार अनुमानित संवेदनशीलता को उचित समय समूहों के अंतर्गत दर्शाया जा सकता है । मौजूदा बचत बैंक दर को कूपन के रूप में लिया जाए और बैंक की अपनी संबंधित मीयादी जमाराशि दरों को मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना करने के लिए प्रतिफल के रूप में प्रयोग में लाया जाए । • तथापि जहां बैंकों ने कोई प्रवृत्ति

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			अध्ययन नहीं किया है वहां वे स्थिर हिस्से को ब्याज दर संवेदी के रूप में शामिल कर सकते हैं और उसी 1-3 वर्ष के समय समूह में शामिल कर सकते हैं । अस्थिर हिस्से (10 प्रतिशत) को 1-28 दिन के समूह में रखा जाए । • कूपन दर - मौजूदा बचत बैंक ब्याज दर अर्थात् 3.5 प्रतिशत • प्रतिफल : (i) चूंकि 1-28 दिन के समय-समूह का मध्य-बिंदु 14 दिन है, इसलिए प्रत्येक बैंक अपनी 14 दिन की मीयादी जमाराशि दर को अस्थिर हिस्से के मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना के लिए प्रतिफल के रूप में ले सकता है । (ii) चूंकि 1-3 वर्ष के समय-समूह का मध्य-बिंदू 2 वर्ष है, इसलिए प्रत्येक बैंक अपने 2 वर्ष की मीयादी जमाराशि के दर के स्थायी हिस्से को मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना के लिए डिस्काउंट दर के रूप में ले सकता है ।
4 (iii)	**मीयादी जमाराशियां**	संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । राशियों को परिपक्वता के लिए शेष अवधि के आधार पर विभिन्न समूहों में बांटा जाना चाहिए । तथापि अस्थायी दर मीयादी जमाराशियों के मामले में राशियों को उस समय-समूह के अंतर्गत दर्शाया जाए, जब जमाराशियों का संविदा के अनुसार पुनर्मूल्यनिर्धारण करना पड़ता है ।	• संवेदनशील • बैंक बड़े मूल्य की नियत दर वाली मीयादी जमाराशियों की प्रवृत्ति का अध्ययन कर सकते हैं, ताकि यह ज्ञात हो सके कि जमाराशियों का कितना प्रतिशत परिपकवता के पहले भुनाया गया/बंद किया गया अर्थात् जमाराशियों की कितनी बड़ी मात्रा पर परिपक्वता के पूर्व निकासी के आप्शन का प्रयोग किया गया । इन अध्ययनों के अनुसार जो जमाराशियां परिपक्वता पूर्व आहरण प्रवण हैं उन्हें तदनुरूपी परिपक्वता समूहों में रखा जा सकता है । • अन्य नियत दर मीयादी

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			जमाराशियों को परिपक्वता के लिए शेष अवधि के आधार पर विभिन्न समय समूहों में वर्गीकृत किया जाए । • अस्थायी दर मीयादी जमाराशियों के मामले में राशियों को उस समय-समूह के अंतर्गत दर्शाया जाए जब उन जमाराशियों का संविदा के अनुसार पुनरर्मूल्यनिर्धारण करना पड़ता है । • कूपन दर बैंक मीयादी जमाराशियों पर औसत कूपन की गणना संबंधित लेखा अवधि के दौरान मीयादी जमाराशियों पर अदा किए गए/उपचित ब्याज की तुलना मासिक औसत बकाया मीयादी जमाराशियों के साथ करके कर सकते हैं । • प्रतिफल : संबंधित अवधि की जमाराशियों के लिए प्रत्येक बैंक की कार्ड ब्याज दर का प्रयोग किया जाए ।
4 (iv)	**जमा प्रमाणपत्र**	संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । राशियों को परिपक्वता के लिए शेष अवधि के आधार पर विभिन्न समूहों में बांटा जाए । तथापि अस्थायी दर मीयादी जमाराशियों के मामले में राशियों को उस समय समूह के अंतर्गत दर्शाया जाए, जब जमाराशियों का संविदा के अनुसार पुनर्मूल्यनिर्धारण करना पड़ता है ।	• संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । • राशियों को परिपक्वता के लिए शेष अवधि के आधार पर विभिन्न समूहों में बांटा जाए । तथापि अस्थायी दर जमा प्रमाणपत्रों के मामले में राशियों को उस समय समूह के अंतर्गत दर्शाया जाए, जब जमा प्रमाणपत्रं संविदा के अनुसार पुनर्मूल्यनिर्धारण के लिए पात्र होती हैं । • कूपन दर : मीयादी जमाराशियों के समान गणना की जाती है । • प्रतिफल : एफआइएमएमडीए

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			द्वारा प्रकाशित तदनुरूपी अवधि के लिए भारत सरकार का प्रतिफल, जिसमें रेट किए गए बांडों के लिए समुचित (बैंक के जमा प्रमाणपत्र रेटिंग के तदनुरूप) मूल्यवृद्धि की जाए ।
5.	**उधार**	उधार - नियत संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । राशियों को परिपक्वता के लिए शेष अवधि के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । उधार-अस्थायी संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । राशियों को पुनर्मूल्यनिर्धारण की तारीख के संदर्भ में उचित समूह में विभाजित किया जाए । उधार - शून्य कूपन संवेदनशील तथा परिपक्वता पर पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । राशियों का संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजन किया जाए ।	
5 (i)	**मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि**		• राशियों को शेष परिपक्वता/ पुनर्मूल्यनिर्धारण की तारीख के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । • एक दिवसीय मांग मुद्रा दर को कूपन तथा प्रतिफल दोनों के रूप में लिया जाए ।
5 (ii)	**अंतर-बैंक (मीयादी)**		• राशियों को शेष परिपक्वता/ पुनर्मूल्यनिर्धारण की तारीख के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । • कूपन प्रत्येक अंतर-बैंक मीयादी ऋण के लिए वास्तविक दर के अनुसार होगा और प्रतिफल बैंक के टियर II बांडों की रेटिंग के अनुसार समुचित मूल्यवृद्धि के साथ एफआइएमएमडीए-एनएसई-माइबोर कर्व पर आधारित होगा ।
5	**पुनर्वित्त**	भारिबैं से उधार - 1 महीने तक के समूह	• नियत दर पुनर्वित्त के मामले में

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
(iii)		में अन्य एजेंसियों से पुनर्वित्त संबंधित परिपक्वता के अनुसार नियत दर ब्याज दर के पुनर्निर्धारण पर अस्थायी दर का पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है ।	राशियों को शेष परिपक्वता के आधार पर तथा अस्थायी दर पुनर्वित्त को पुनर्मूल्यनिर्धारण की तारीख के आधार पर विभिन्न समूहों में वर्गीकृत किया जाए । • भारिबैं, एनएचबी, नाबार्ड आदि की उचित पुनर्वित्त दर को कूपन के रूप में लिया जाए और प्रतिफल तदनुरूपी अवधियों की भारत सरकार की प्रतिभूतियों पर आधारित हो ।
5 (iv)	**अन्य (उल्लेख करें)**	-	-
6.	**अन्य देयताएं एवं प्रावधान**		
i)	**देय बिल**	गैर संवेदनशील	• गैर संवेदनशील
ii)	**अंतर-कार्यालय समायोजन**	गैर संवेदनशील	• गैर संवेदनशील
iii)	**प्रावधान**	गैर संवेदनशील	• गैर संवेदनशील
iv)	**अन्य**	गैर संवेदनशील	• गैर संवेदनशील
7.	**रिपो (उधार ली गई निधियां)**	केवल परिपक्वता पर इसका पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है और संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित किया जाए ।	• संवेदनशील • राशियों को शेष परिपक्वता के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । • कूपन प्रत्येक रिपो के लिए वास्तविक दर के अनुसार होगा और प्रतिफल एफआइएमएमडीए-एनएसई माइबोर कर्व के आधार पर होगा ।
8.	**पुनर्भुनाई किए गए बिल (डीयूपीएन)**	केवल परिपक्वता पर इसका पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है और संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित किया जाए ।	• संवेदनशील • राशियों को शेष परिपक्वता के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । • कूपन दर : उचित बट्टा दर • प्रतिफल : बैंक के टियर II बांडों की रेटिंग के अनुसार उचित मूल्य लागत अंतर के साथ एफआइएमएमडीए-एनएसई माइबोर कर्व को प्रतिफल के रूप में लिया जाए ।
9.	**फॉरेक्स स्वैप (खरीद/**	केवल परिपक्वता पर इसका	• संवेदनशील

क्र. सं.	खाता शीर्ष	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
	बिक्री)	पुनर्मूल्यनिर्धारण होता है । इन्हें संबंधित परिपक्वता समूहों में वर्गीकृत किया जाए ।	• फॉर्वर्ड प्रीमियम/बट्टे के माध्यम से स्पया अंतर्निहित दर को कूपन तथा बट्टा दर दोनों के रूप में उपयोग कर प्रत्येक संविदा के लिए वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना की जाए ।
10.	**अन्य**	-	-
अ	**कुल देयताएं**		•

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
1.	**नकद**	गैर-संवेदनशील	• गैर- संवेदनशील
2.	**भारिबैं के पास शेष**	ब्याज अर्जित करने वाले हिस्से को 3-6 महीने से अधिक के समूह में दर्शाया जाए । शेष राशि गैर-संवेदनशील है ।	• गैर- संवेदनशील
3.	**अन्य बैंकों के पास शेष**		
i)	**चालू खाता**	i) गैर-संवेदनशील	• गैर- संवेदनशील
ii)	**मांग तथा अल्प सूचना पर मुद्रा**	ii) परिपक्वता पर संवेदनशील ।राशियों को संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित किया जाए ।	• परिपक्वता पर संवेदनशील • राशि को 1-28 दिन के समूह में डाल दिया जाए । • एक दिवसीय मांग मुद्रा दर को कूपन तथा प्रतिफल दोनों के रूप में लिया जाए ।
iii)	**मीयादी जमाराशियां तथा अन्य प्लेसमेंट्स**	iii) परिपक्वता पर संवेदनशील राशियों को संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित किया जाए ।	• संवेदनशील • राशियों को शेष परिपक्वता अथवा पुनर्मूल्यनिर्धारण के लिए शेष अवधि जैसे उचित हो, के आधार पर विभिन्न समय समूहों में विभाजित किया जाए । • कूपन दर : मीयादी जमाराशि /प्लेसमेण्ट की संबंधित दर । • प्रतिफल : जिन बैंकों के पास

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			जमाराशियां रखी हैं, तदनुरूपी अवधियों की मीयादी जमाराशियों पर उन बैंकों की दर ।
4.	**निवेश (अर्जक) (रिवर्स रिपो के अंतर्गत निवेशों सहित लेकिन रिपो को छोड़कर)**	नियत दर/शून्य कूपन - परिपक्वता पर संवेदनशील अस्थायी दर - पुनर्मूल्यनिर्धारण की अगली तारीख पर संवेदनशील	• संवेदनशील • समूहन तथा मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना के प्रयोजन के लिए, निवेशों को नीचे दिए गए अनुसार एसएलआर तथा एसएलआर से इतर निवेशों के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए ।
i)	**एसएलआर निवेश**	नियत दर/शून्य कूपन - परिपक्वता पर संवेदनशील अस्थायी दर - पुनर्मूल्यनिर्धारण की अगली तारीख पर संवेदनशील	• संवेदनशील • प्रत्येक एसएलआर प्रतिभूति के वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन का उपयोग करें । • प्रतिफल - सरकारी प्रतिभूति (जी - सेक) प्रतिफल कर्व
ii)	**एसएलआर से इतर निवेश**	नियत दर/शून्य कूपन - परिपक्वता पर संवेदनशील अस्थायी दर - पुनर्मूल्यनिर्धारण की अगली तारीख पर संवेदनशील	• संवेदनशील : (ईक्विटी को छोड़कर, उसे गैर-संवेदनशील समूह में रखा जाए) • एसएलआर से इतर प्रत्येक प्रतिभूति का वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन का उपयोग करें • प्रतिफल : एफआइएमएमडीए बेंचमार्क कर्व
iii)	**पुनः पूंजीकरण बांड**		• संवेदनशील • प्रत्येक पुनर्पूंजीकरण के वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना की जाए ।
iv)	**आस्ति पुनर्निर्माण कंपनी (एआरसी) द्वारा जारी प्रतिभूति पावती (एसआर) में निवेश**		• गैर- संवेदनशील
5.	**अग्रिम (अर्जक)**		• संवेदनशील • राशियों को शेष परिपक्वता अथवा पुनर्मूल्यनिर्धारण के लिए शेष अवधि जो भी लागू हो, के आधार पर विभिन्न समय समूहों में विभाजित किया जाए ।

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			• बैंक संबंधित लेखा अवधि के दौरान 'मानक' अग्रिमों से प्राप्त ब्याज आय की औसत मासिक बकाया 'मानक' अग्रिमों के साथ तुलना करके अग्रिम संविभाग के लिए औसत कूपन की गणना कर सकते हैं । • लागू प्रतिफल की गणना करने के लिए प्रत्येक बैंक अग्रिम संविभाग की औसत रेटिंग का अनुमान लगाएगा । औसत रेटिंग का अनुमान लगाने की एक पद्धति निम्नानुसार हो सकती है : प्रत्येक समूह में बकाया अग्रिमों का आंतरिक रेटिंग स्कोर के साथ गुणन करके उस समूह में अग्रिमों का भारित औसत रेटिंग प्राप्त करें । उसके बाद इस रेटिंग को किसी बाहरी रेटिंग के साथ मैप किया जाए । यदि किसी विशिष्ट समय समूह में बैंक के अग्रिमों का अधिकतर हिस्सा रेट न किया गया हो तो उस समूह के लिए भारित औसत रेटिंग प्राप्त करने के लिए बैंक को प्रत्येक समूह (बाहरी एजेंसी की रेटिंग के साथ मैप किया गया) में बड़े अग्रिमों/रेट किए गए अग्रिमों रेटिंग स्कोर का उपयोग करना चाहिए । प्रत्येक समूह के औसत रेटिंग के आधार पर उचित मूल्य-लागत अंतर के साथ भारत सरकार की प्रतिभूतियों के लिए एफआइएमएमडीए प्रतिफल कर्व का प्रयोग करके प्रतिफल प्राप्त किया जा सकता है ।
i)	**खरीदे तथा भुनाए गए बिल (डीयूपीएन के अंतर्गत बिलों सहित)**	(i) परिपक्वता पर संवेदनशील	• परिपक्वता पर संवेदनशील • उपर्युक्त के अनुसार अग्रिम संविभाग के लिए अभिकलित किए गए औसत कूपन तथा प्रतिफल का उपयोग करें ।
ii)	**नकद ऋण/ओवरड्राफ्ट (टीओडी/ मांग पर चुकौती योग्य ऋणों सहित)**	(ii) केवल पीएलआर/आधार दर/ जोखिम प्रीमियम में परिवर्तन होने पर संवेदनशील । प्रत्येक बैंक को निधियन विकल्पों के ब्याज दर उतार-चढ़ाव का अनुमान लगाना चाहिए और राशियों को बाजार	• पुनर्मूल्यनिर्धारण/अगले नवीकरण की तारीख इनमें से जो भी पहले हो, पर संवेदनशील । बीपीएलआर/आधार दर सहलग्न अग्रिमों के मामले में बैंक अपने बीपीएलआर/आधार दर में

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
		की ब्याज दरों में हुए परिवर्तनों की प्रतिक्रिया में बैंकों द्वारा पीएलआर/आधार दर में परिवर्तन करने में लिए गए समय के साथ मिलते-जुलते संबंधित परिपक्वता समूहों में व्यक्त करना चाहिए ।	परिवर्तनों के संबंध में पिछले अनुभव तथा भावी अनुमान के आधार पर पुनर्मूल्यनिर्धारण तारीख का अनुमान लगा सकते हैं । • उपर्युक्त के अनुसार अग्रिम संविभाग के लिए अभिकलित किए गए औसत कूपन तथा प्रतिफल का उपयोग करें ।
iii)	**मीयादी ऋण**	(iii) केवल पीएलआर/आधार दर/ जोखिम प्रीमियम में परिवर्तन होने पर संवेदनशील । प्रत्येक बैंक को निधियन विकल्पों के ब्याज दर उतार-चढ़ाव का अनुमान लगाना चाहिए और राशियों को बाजार की ब्याज दरों में हुए परिवर्तनों की प्रतिक्रिया में बैंकों द्वारा पीएलआर/आधार दर में परिवर्तन करने में लिए गए समय के साथ मिलते-जुलते संबंधित परिपक्वता समूहों में व्यक्त करना चाहिए ।	• पुनर्मूल्यनिर्धारण/अगले नवीकरण की तारीख इनमें से जो भी पहले हो, पर संवेदनशील । बीपीएलआर/आधार दर सहलग्न अग्रिमों के मामले में बैंक अपने बीपीएलआर/आधार दर में परिवर्तनों के संबंध में पिछले अनुभव तथा भावी अनुमान के आधार पर पुनर्मूल्यनिर्धारण तारीख का अनुमान लगा सकते हैं । • उपर्युक्त के अनुसार अग्रिम संविभाग के लिए अभिकलित किए गए औसत कूपन तथा प्रतिफल का उपयोग किया जा सकता है ।
6.	**अनर्जक आस्तियां (अग्रिम तथा निवेश)***	अवमानक - 3-5 वर्ष से अधिक का समूह संदिग्ध एवं हानि - 5 वर्ष से अधिक का समूह	• संवेदनशील • अवमानक अनर्जक आस्तियों को 1-3 वर्ष के समय समूह में डालना चाहिए । • संदिग्ध एवं हानि आस्तियाँ - इन्हें 3-5 वर्ष के समय समूह में डालना चाहिए । • कूपन : कूपन दर शून्य समझा जाएगा । • रेट न किए गए एक्सपोज़रों/चूक श्रेणी के लिए एफआइएमएमडीए द्वारा निर्धारित प्रतिफल कर्व को प्रतिफल के रूप में लिया जाए ।
7.	**नियत आस्तियां**	गैर-संवेदनशील	• गैर-संवेदनशील
8.	**अन्य आस्तियां**		
i)	**अंतर-कार्यालय**	गैर-संवेदनशील	• गैर-संवेदनशील

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
	समायोजन		
ii)	**पट्टाकृत आस्तियां**	नकदी प्रवाहों पर संवेदनशील । राशियों को नकदी प्रवाहों की तारीखों के तदनुरूपी संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित करना चाहिए ।	• नकदी प्रवाहों पर संवेदनशील । • राशियों को नकदी प्रवाहों की तारीखों के तदनुरूपी संबंधित परिपक्वता समूहों में विभाजित करना चाहिए । • पट्टाकृत आस्तियों के लिए अनुमानित औसत रेटिंग के अनुसार कार्पोरेट बॉण्डों के मूल्यन के लिए एफआइएमएमडीए द्वारा निर्धारित प्रतिफल कर्व को प्रतिफल प्राप्त करने के लिए प्रयोग में लाया जाए । • अग्रिमों के लिए अभिकलित किए गए अनुसार पट्टाकृत आस्ति संविभाग के लिए औसत कूपन का प्रयोग किया जाए ।
iii)	**अन्य**	गैर-संवेदनशील	• गैर-संवेदनशील
9.	**रिवर्स रिपो (उधार दी गई निधियां)**	परिपक्वता पर संवेदनशील	• संवेदनशील : राशियों को शेष परिपक्वता के आधार पर विभिन्न समूहों में विभाजित किया जाए । • प्रत्येक रिपो के लिए वास्तविक दर के अनुसार कूपन होगा तथा प्रतिफल एफआइएमएमडीए -एनएसई माइबोर कर्व पर आधारित होगा ।
10.	**फॉरेक्स स्वैप (खरीद-बिक्री)**	परिपक्वता पर संवेदनशील	• संवेदनशील • फॉर्वर्ड प्रीमियम/बट्टे के माध्यम से स्पया अंतर्निहित दर को कूपन तथा बट्टा दर दोनों के रूप में उपयोग कर प्रत्येक संविदा के लिए वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन की गणना की जाए ।
11.	**पुनर्भुनाई किए गए बिल (डीयूपीएन)**	परिपक्वता पर संवेदनशील	• एक दिवसीय मांग मुद्रा दर को प्रतिफल तथा कूपन दर दोनों के रूप में उपयोग में लाया जाए ।
12.	**अन्य (स्पष्ट करें)**	-	-
आ.	**कुल आस्तियां**		
13.	अन्य उत्पाद (ब्याज दर डेरिवेटिव)		• संविदाकृत दर को कूपन के रूप में तथा डिस्काउंटिंग कारक के लिए संबंधित प्रतिफल कर्व का उपयोग करके प्रत्येक संविदा के लिए वास्तविक मॉडिफाइड ड्यूरेशन की

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			गणना की जाए । इसके बदले में सभी ब्याज दर डेरिवेटिव पर निम्नानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है :
	i) वायदा दर करार	उपयुक्त रूप से वर्गीकृत	• वायदा दर करारों को शॉर्ट पोजीशन तथा लॉंग पोजीशन का संयोग भी मान सकते हैं । उदाहरण के लिए, सितंबर त्रैमासिक के वायदा दर करार (1 जून को लिया गया) में लॉंग पोजीशन को 6 महीने की परिपक्वता वाले बॉण्ड में शॉर्ट पोजीशन तथा 3 महीने की परिपक्वता वाले बॉण्ड में लॉंग पोजीशन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है । तदनुसार, 3-6 महीने के समूह में देयता तथा 28 दिन से 3 महीने के समूह में आस्ति के रूप में दर्शाया जाए । ब्याज दर संवेदनशीलता की गणना करने के लिए जिस राशि की गणना की जानी है वही वायदा दर करार का कल्पित मूल्य है ।
	ii) स्वैप	संवेदनशील तथा इसे परिपक्वता के संदर्भ में विभिन्न समूहों के अंतर्गत विभाजित किया जाए ।	• ब्याज दर स्वैप को शॉर्ट तथा लॉंग पोजीशन का संयोग समझा जा सकता है । किसी ब्याज दर स्वैप के नियत तथा अस्थायी हिस्से को नियत हिस्से की परिपक्वता की तारीख तथा अस्थायी हिस्से के लिए पुनर्निर्धारित तारीख के आधार पर संबंधित परिपक्वता समूह में दर्शाया जा सकता है । मान लिजिए कि कोई बैंक 5 वर्ष नियत ब्याज प्राप्त करता है और अस्थायी माइबोर अदा करता है तो स्वैप के नियत हिस्से को '5-7 वर्ष' समूह मे एक आस्ति के रूप में दर्शाया जा सकता है और अस्थायी हिस्से को 1-28 दिन समूह में देयता के रूप में दर्शाया जाएगा । उसी प्रकार मुद्रा स्वैप को एक मुद्रा में शॉर्ट पोजीशन तथा दूसरी मुद्रा में लॉंग पोजीशन का संयोग माना जाएगा । दोनों पोजीशन संबंधित ब्याज दरों में हुए परिवर्तनों के प्रति

क्र. सं.	आस्तियां	ब्याज दर संवेदनशीलता विवरण के लिए मौजूदा आस्ति देयता प्रबंधन (एएलएम) दिशानिर्देशों के अनुसार ब्याज दर संवेदनशीलता तथा समय समूह	आस्तियों/देयताओं/तुलनपत्रेतर मदों के समूहन तथा संशोधित अवधि (मॉडिफाइड ड्यूरेशन) की गणना के लिए संशोधित ढांचा
			संवेदनशील होंगे । दोनों मुद्राओं के नोशनल मूल्य को संबंधित परिपक्वता वाली संबंधित मुद्राओं में शॉर्ट/लाँग पोजीशन के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा ।
	iii) फ्यूचर	उपयुक्त रूप से वर्गीकृत	• ब्याज दर फ्यूचर को शॉर्ट पोजीशन तथा लाँग पोजीशन का संयोग भी माना जा सकता है । उदाहरण के लिए सितंबर त्रैमासिक ब्याज दर फ्यूचर (1 जून को लिया गया) में लाँग पोजीशन को छः महीने की परिपक्वता वाले सरकारी बॉण्ड में लाँग पोजीशन तथा तीन महीने की परिपक्वता वाले सरकारी बॉण्ड में शॉर्ट पोजीशन के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है । ब्याज दर संवदेनशीलता की गणना के लिए ली जाने वाली राशि, ब्याज दर फ्यूचर का नोशनल मूल्य है ।

* प्रावधानों, ब्याज उचंत तथा ईसीजीसी/डीआइसीजीसी से प्राप्त दावों को घटाकर

टिप्पणी :

1. जहां कही एफआइएमएमडीए स्प्रेड के उपयोग का प्रस्ताव है, वहां एफआइएमएमडीए कार्पोरेट बॉण्ड स्प्रेड टेबल का उपयोग किया जाए । उसे एफआइएमएमडीए की वेबसाइट (www.fimmda.org) से अथवा और अधिक http://www.fimmda.org/Product and services/asp/spread gi lt.asp. इस सीधी लिंक से डाउन लोड किया जा सकता है ।

2. किसी नीतिगत प्रयोजन से अथवा निवेश करने के प्रयोजन से धारित ईक्विटी को गैर-संवेदनशील माना जाए और उसका तदनुसार वर्गीकरण/समूहन किया जाए ।